CLASS NOTES

Class: तीसरी	Topic: तुलसीदास जी के दोहे
Subject: हिंदी	Date: 23/09/2021

तुलसीदास जी के दोहे

१.तुलसी मीठे वचन ते, सुख उपजत चहुँ ओर |
बसीकरन एक मन्त्र है, परिहर वचन कठोर ||

२. आवत ही हरषै नहीं ,नैनन नहीं सनेह |
तुलसी तहाँ न जाइए ,कंचन बरषै मेह ||

३.तुलसी इस संसार में, सब सो मिलिए धाय |
ना जाने किस भेस में ,नारायण मिलि जाय ||

४. दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान |
तुलसी दया न छांड़िए जब लागे घट में प्रान||

तुलसीदास जी